मध्यभारत की अनुसूचित जातियों और आदिम जातियों की कल्याण योजनाओं के लिये अनुदान

९. श्री कृष्णकान्त व्यास : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार ने सन् १९५५-५६ में अब तक मध्य भारत की अनुसूचित जातियों और आदिम जातियों की कल्याण योजनाओं के लिये अलग अलग अनुदान के रूप में कितनी राशि स्वीकृत की ; और

(ख) क्या राज्य सरकारों से इस आशय का कोई सुझाव प्राप्त हुआ है कि आदिवासी आश्रमों के लिये जो अनुदान दिये गये हैं, वे पर्याप्त नहीं हैं ?

GRANTS FOR THE WELFARE SCHEMES OF SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES IN MADHYA BHARAT

1. SHRI KRISHNAKANT VYAS: Will the Minister for HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) the amounts sanctioned by Government as grants, so far, in 1955-56 for the welfare schemes of the Scheduled Castes and Scheduled Tribes respectively in Madhya Bharat; and

(b) whether a suggestion has been received from State Governments that the grants sanctioned for *Adibasi Ashrams* are not sufficient?]

गृह-कार्य उपमंत्री (श्री बी० एन० दातार) : (क) चालू वित्तीय वर्ष के लिये, राज्य सरकार की, छूत-छात दूर करने, अनुसूचित आदिम जातियों के कल्याण और अनुसूचित क्षेत्रों के विकास की योजनाएं प्राप्त हो चुकी हैं और उनकी जांच की जा रही है । योजनाएं स्वीकार करली जायंगी और जितनी जल्दी हो सका, अनुदानों की स्वीकृति दी जायगी । मध्य-भारत में छूत छात दूर करने, अनुसूचित आदिम जातियों के कल्याण और अनुसूचित क्षेत्रों के विकास के लिये क्रमशः २.५ लाख और १५ लाख रुपये की अधिक से अधिक अस्थायी राशि नियत की गई हैं ।

(ख) नहीं ।

t[THE DEPUTY MINISTER FOR HOME AFFAIRS: (SHRI B. N. DATAR): (a) The schemes of the State Government for removal of untouchability and for welfare of Scheduled Tribes and development of Scheduled Areas for the current financial year have been received and are under examination. The schemes will be approved and the grants sanctioned as early as possible. Provisional ceilings of Rs. 3·5 lakhs and Rs. 15 lakhs have been fixed for the current year for the schemes for removal of untouchability, and the welfare of Scheduled Tribes and development of Scheduled Areas respectively ftr Madhya Bharat.

(b) No.]

भारतीय प्रशासन-सेवा परीक्षा

२. श्री कृष्णकान्त व्यास : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि १९५४-५५ में भारतीय प्रशासन-सेवा परीक्षा में प्रत्येक राज्य के कितने कितने उम्मीदवार बैठे ?

t [INDIAN ADMINISTRATIVE SERVICE EXAMINATION

2. SHRI KRISHNAKANT VYAS: Will the Minister for HOME AFFAIRS be pleased to state the number of candidates from each State who appeared in the Indian Administrative Service Examination during the year 1954-55?]

गृह-कार्य उपमंत्री (श्री बी० एन० दातार) : मांगी गई सूचना का विवरण सभा-पटल पर रख दिया गया है ।